Govt. V.Y.T.PG.Autonomous College, Durg (C.G.)

Literature of Chhattisgarh

Promotion of Local Dialect and Folk Culture

(Best Practice in Hindi Department)

Our college has been the first college in the region to have adopted Chhattisgarhi Literature in its curriculum. A paper on Chhattisgarhi literature has been introduced as a part of the curriculum in Undergraduate and Masters courses of Hindi Literature. These studies of Chhattisgarhi literature has opened new avenues for research and currently there are 23 researches being done and 15 awarded on the literature of Chhattisgarh.

The department of Hindi is committed to exploring the rich oral tradition of Chhattisgarh that inherently exists in various forms of folklore or oral lore so that it would be preserved and documented in some measure, as envisioned in the Vision Statement of the department and mentioned in its Research Policy which states "The department of Hindi has adopted a distinct academic and research strategy aimed at conservation and promotion of cultural diversity of Chhattisgarh. Research is mostly focused on intangible cultural and literary traditions as well as on contemporary literature of the region".

Similarly, ample number of written texts are lying unexplored in this region in Chhattisgarhi and Hindi which subsequently will vanish over time and will become redundant in the years to come. That would necessitate the exploration and study of old and contemporary literature. Keeping this in view the department strives to focus its research endeavours in the field of folk and contemporary literature of Chhattisgarh.

During 2020-21, 03 Ph.D. scholars in the department received their research degree pursuing their work on local and folk literature of Chhattisgarh. A total of 09 scholars are registered in the session 2020-21 to pursue their research in folk and contemporary literature of the region.

Following are the research activities of the department showing the works done in this area. in the session 2020-21.

Chhattisgarhi litterateurs and artists are invited by the department from time to time and interactions with the students are organized to promote their interest in the local language and culture. Among those invited are renowned thespian Shivkumar Deepak, poet and folklorist Dr. Jeevan Yadu, Dr. Pisilal Yadav, artist Treta Chandrakar and writer Durga Prasad Parkar. The syllabi in UG and PG incorporate course contents belonging to Chhattisgarhi folk and contemporary literature.

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

The folklore Collection Scheme is being operated by the department for the collection and compilation of Chhattisgarhi folklore. Folk songs, folktales and other folk-related material in oral tradition are being collected by the students. The material thus collected are published in the blog *Lok-vachan*. This would be a small effort towards the conservation and propagation of Chhattisgarhi folk culture and oral tradition.

Link to the blog is https://hindidepartmentdurg.blogspot.com/2021/11/blog-post_1.html?m=1

23

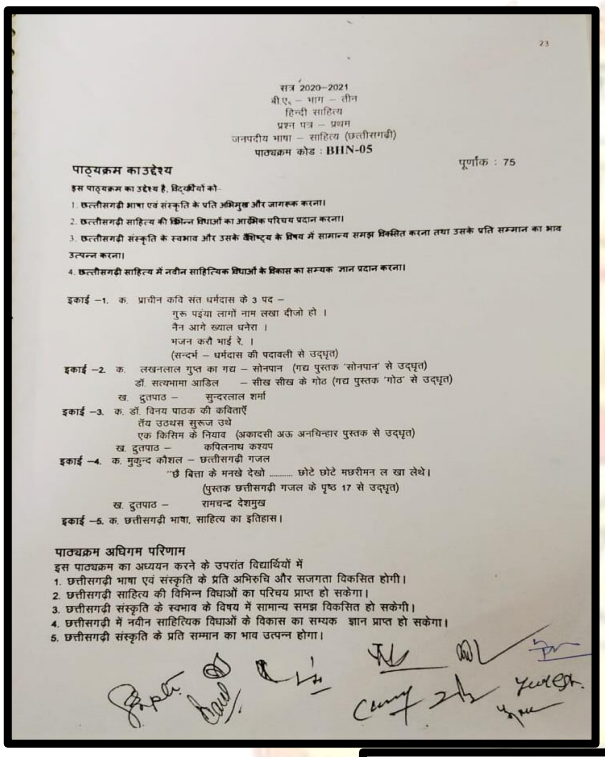

सत्र 2020–2021
बी.ए. – भाग – तीन
हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र – प्रथम
जनपदीय भाषा – साहित्य (छत्तीसगढ़ी)
पाठ्यक्रम कोड : BHN-05

पूर्णांक : 75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को–

1. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं संस्कृति के प्रति अभिमुख और जागरूक करना।
2. छत्तीसगढ़ी साहित्य की विभिन्न विधाओं का आरंभिक परिचय प्रदान करना।
3. छत्तीसगढ़ी संस्कृति के स्वभाव और उसके वैशिष्ट्य के विषय में सामान्य समझ विकसित करना तथा उसके प्रति सम्मान का भाव उत्पन्न करना।
4. छत्तीसगढ़ी साहित्य में नवीन साहित्यिक विधाओं के विकास का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

इकाई –1. क. प्राचीन कवि संत धर्मदास के 3 पद –
गुरू पइंया लागों नाम लखा दीजो हो ।
नैन आगे ख्याल घनेरा ।
भजन करौ भाई रे. ।
(सन्दर्भ – धर्मदास की पदावली से उदधृत)

इकाई –2. क. लखनलाल गुप्त का गद्य – सोनपान (गद्य पुस्तक 'सोनपान' से उदधृत)
डॉ. सत्यभामा आडिल – सीख सीख के गोठ (गद्य पुस्तक 'गोठ' से उदधृत)
ख. द्रुतपाठ – सुन्दरलाल शर्मा

इकाई –3. क. डॉ. विनय पाठक की कविताएँ
तँय उठथस सुरूज उथे
एक किसिम के नियाव (अकादसी अऊ अनचिन्हार पुस्तक से उदधृत)
ख. द्रुतपाठ – कपिलनाथ कश्यप

इकाई –4. क. मुकुन्द कौशल – छत्तीसगढ़ी गजल
"छै बित्ता के मनखे देखो .... छोटे छोटे मछरीमन ल खा लेथे।
(पुस्तक छत्तीसगढ़ी गजल के पृष्ठ 17 से उदधृत)
ख. द्रुतपाठ – रामचन्द्र देशमुख

इकाई –5. क. छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य का इतिहास।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों में

1. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं संस्कृति के प्रति अभिरुचि और सजगता विकसित होगी।
2. छत्तीसगढ़ी साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
3. छत्तीसगढ़ी संस्कृति के स्वभाव के विषय में सामान्य समझ विकसित हो सकेगी।
4. छत्तीसगढ़ी में नवीन साहित्यिक विधाओं के विकास का सम्यक ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।
5. छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रति सम्मान का भाव उत्पन्न होगा।

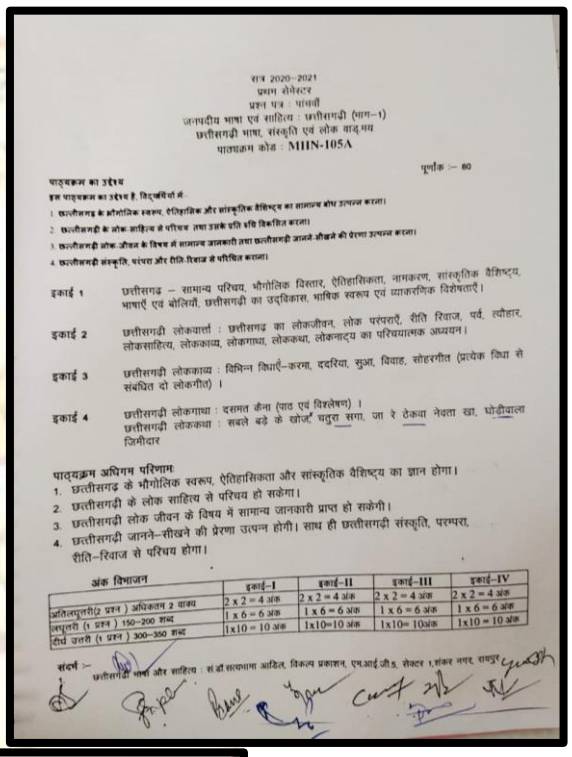

सत्र 2020–2021
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र : पांचवी
जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी (भाग–1)
छत्तीसगढ़ी भाषा, संस्कृति एवं लोक वाङ्मय
पाठ्यक्रम कोड : MHN-105A

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में

1. छत्तीसगढ़ के भौगोलिक स्वरूप, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य का सामान्य बोध उत्पन्न करना।
2. छत्तीसगढ़ी के लोक-साहित्य से परिचय तथा उसके प्रति रुचि विकसित करना।
3. छत्तीसगढ़ी लोक-जीवन के विषय में सामान्य जानकारी तथा छत्तीसगढ़ी जानने-सीखने की प्रेरणा उत्पन्न करना।
4. छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज से परिचित कराना।

इकाई 1 छत्तीसगढ़ – सामान्य परिचय, भौगोलिक विस्तार, ऐतिहासिकता, नामकरण, सांस्कृतिक वैशिष्ट्य, भाषाएँ एवं बोलियाँ, छत्तीसगढ़ी का उद्विकास, भाषिक स्वरूप एवं व्याकरणिक विशेषताएँ।

इकाई 2 छत्तीसगढ़ी लोकवार्त्ता : छत्तीसगढ़ का लोकजीवन, लोक परंपराएँ, रीति रिवाज, पर्व, त्यौहार, लोकसाहित्य, लोककाव्य, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई 3 छत्तीसगढ़ी लोककाव्य : विभिन्न विधाएँ–करमा, ददरिया, सुआ, विवाह, सोहरगीत (प्रत्येक विधा से संबंधित दो लोकगीत) ।

इकाई 4 छत्तीसगढ़ी लोकगाथा : दसमत कैना (पाठ एवं विश्लेषण) ।
छत्तीसगढ़ी लोककथा : सबले बड़े के खोज, चतुरा सगा, जा रे ठेकवा नेवता खा, घोड़ीवाला जिमीदार

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. छत्तीसगढ़ के भौगोलिक स्वरूप, ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य का ज्ञान होगा।
2. छत्तीसगढ़ी के लोक साहित्य से परिचय हो सकेगा।
3. छत्तीसगढ़ी लोक जीवन के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
4. छत्तीसगढ़ी जानने–सीखने की प्रेरणा उत्पन्न होगी। साथ ही छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परम्परा, रीति–रिवाज से परिचय होगा।

अंक विभाजन

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघुत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघुत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

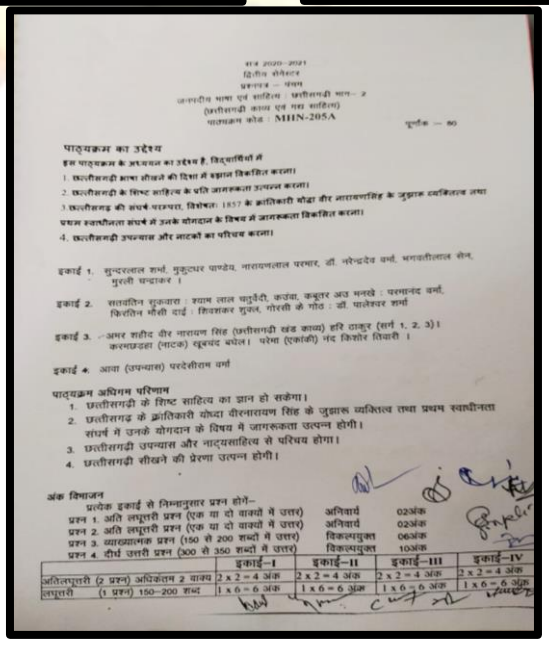

संदर्भ :–
1. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य : सं.डॉ.सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर 1,शंकर नगर, रायपुर

सत्र 2020–2021
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पंचम
जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी भाग– 2
(छत्तीसगढ़ी काव्य एवं गद्य साहित्य)
पाठ्यक्रम कोड : MHN-205A

पूर्णांक – 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में

1. छत्तीसगढ़ी भाषा सीखने की दिशा में रुझान विकसित करना।
2. छत्तीसगढ़ी के शिष्ट साहित्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
3. छत्तीसगढ़ की संघर्ष-परम्परा, विशेषतः 1857 के क्रांतिकारी योद्धा वीर नारायणसिंह के जुझारू व्यक्तित्व तथा प्रथम स्वाधीनता संघर्ष में उनके योगदान के विषय में जागरूकता विकसित करना।
4. छत्तीसगढ़ी उपन्यास और नाटकों का परिचय कराना।

इकाई 1. सुन्दरलाल शर्मा, मुकुटधर पाण्डेय, नारायणलाल परमार, डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा, भगवतीलाल सेन, मुरली चन्द्राकर ।

इकाई 2. सतवंतिन सुकवारा : श्याम लाल चतुर्वेदी, कउंवा, कबूतर अउ मनखे : परमानंद वर्मा, किरतिन मौसी दाई : शिवशंकर शुक्ल, गोरसी के गोठ : डॉ. पालेश्वर शर्मा

इकाई 3. अमर शहीद वीर नारायण सिंह (छत्तीसगढ़ी खंड काव्य) हरि ठाकुर (सर्ग 1, 2, 3)।
करमछड़हा (नाटक) खूबचंद बघेल। परेमा (एकांकी) नंद किशोर तिवारी ।

इकाई 4. आवा (उपन्यास) परदेसीराम वर्मा

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. छत्तीसगढ़ी के शिष्ट साहित्य का ज्ञान हो सकेगा।
2. छत्तीसगढ़ के क्रांतिकारी योध्दा वीरनारायण सिंह के जुझारू व्यक्तित्व तथा प्रथम स्वाधीनता संघर्ष में उनके योगदान के विषय में जागरूकता उत्पन्न होगी।
3. छत्तीसगढ़ी उपन्यास और नाट्यसाहित्य से परिचय होगा।
4. छत्तीसगढ़ी सीखने की प्रेरणा उत्पन्न होगी।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होंगे–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघुत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघुत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

List of scholars who have been awarded Ph.D in Chattisgarhi Literature

No.	Name of Research Scholar	Name of Research Guide	Co-guide	Title of Thesis	Year of award
1	Dr. Sadhu Ram Bhardwaj	Dr.Abhinesh Surana	-	हिंदी गीतिकाव्य के संदर्भ में नारायण लाल परमार की प्रगीत चेतना	2016
2	Dr.Yashwant Sao	-	Dr.Shraddha Chandrakar	छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता एवं साहित्य के विकास में शरद कोठारी के योगदान का मूल्यांकन	2016
3	Dr. Sunita Soni	-	Dr.Shraddha Chandrakar	सुरेंद्र दुबे के व्यंग्य साहित्य का अनुशीलन	2016
4	Dr. Tripta Kashyap	Dr.Shraddha Chandrakar	-	दैनिक देशबंधु के संदर्भ में छत्तीसगढ़ी की साहित्यिक पत्रकारिता का विश्लेषणात्मक अध्ययन	2017
5	Dr. Lata markande	Dr.Shraddha Chandrakar	-	छत्तीसगढ़ के दुर्ग अंचल के समकालीन कथाकारों के साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन	2018
6	Dr. Kalpana Dahake	Dr. Baljeet Kaur	-	दुर्ग अंचल के रचनाकारों का हिंदी और छत्तीसगढ़ी साहित्य के विकास में योगदान	2018
7	Dr.Dharmendra Kumar	Dr. Baljeet Kaur	-	जीवन यदु के रचना कर्म का विश्लेषणात्मक अध्ययन	2018

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

8	Dr. Meenakshi Dubey		Dr. Baljeet Kaur	खैरागढ़ की साहित्यिक परंपरा में संजीव बख्शी	2018
9	Dr. Sunita Tiwari	-	Dr. Baljeet Kaur	नवोन्मेषी छत्तीसगढ़ी काव्य के बहुआयामी सर्जक मुकुंद कौशल : एक अनुशीलन	2018
10	Dr. Chunnilal Sahu	Dr.Shraddha Chandrakar	-	डॉ. गणेश खरे के ऐतिहासिक उपन्यासों का सांस्कृतिक अनुशीलन	2018
11	Dr. Vijay Kumar	Dr.Shraddha Chandrakar	-	गिरीश पंकज के उपन्यासों में सामाजिक सरोकार	2019
12	Dr. Siya Ram Sahu	-	Dr. Baljeet Kau	छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य के संदर्भ में पीसीलाल यादव का रचनात्मक अवदान	2019
13	Khem Lal Rawte	Dr.Shraddha Chandrakar	-	रमेश याज्ञिक का साहित्य-कर्म :अध्ययन एवं मूल्यांकन	2019
14	Dr. Bhagwati Sahu	-	Dr.Abhinesh Surana	छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य नाचा की कथावस्तु का समीक्षात्मक अध्ययन	2021
15	Dr. Sangeeta Rangari	-	Dr.Abhinesh Surana	छत्तीसगढ़ी लोक गीतों में रस योजना : एक अध्ययन	2021
15	Dr. pushpalata Chandrakar		Dr.Shraddha Chandrakar	छत्तीसगढ़ की प्रमुख कवयित्रियों की रचनाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन	2021

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

List of Research in Progress

No.	Name of Research Scholars	Name of Research Guide	Co-Guide	Title of Thesis	Month / Year of Registration
1	N. Papa Rao	Dr. Siyaram Sharma	Dr. Abhinesh Surana	संजीव के उपन्यासों में अभिव्यक्त समकालीन यथार्थ	12 .11. 2016
2	Girija Sahu	Dr.Shailendra Thakur	Dr. Krishna Chatterjee	समकालीन हिंदी कविता में छत्तीसगढ़ के युवा कवियों का योगदान	12 .11. 2016
3	Jyoti Kushwaha	Dr. Abhinesh Surana	-	लक्ष्मी नारायण पयोधि के साहित्य में जनजातीय संवेदना	01 .10. 2018
4	Kamal Kumar Bodle	Dr. Abhinesh Surana	-	परदेशी राम वर्मा के कथा साहित्य में सामाजिक जागृति	01 .10. 2018
5	Gokul Ram	Dr. Dindayal Dilliwar	Dr. Krishna Chatterjee	समकालीन परिदृश्य और वसंत त्रिपाठी का रचना संसार	01 .10. 2018
6	Reena Gote	Dr. Deshbandhu Tiwari	Dr. Krishna Chatterjee	छत्तीसगढ़ी लोकगीतों का सामाजिक प्रदेय	01 .10. 2018

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College * Durg (C.G.)

7	Himesh Kumar Sahu	Dr. Deshbandhu Tiwari	Dr. Baljeet Kaur	केयूर भूषण की रचनाओं में राष्ट्रीय चेतना : एक अध्ययन	1.10.2018
8	Varsha Rani	Dr. Abhinesh Surana	-	भोजपुरी लोक साहित्य के संदर्भ में विवेकी राय का कथा साहित्य	12.11.2019
9	Murari Upadhyay	Dr. Ambarish Tripathi	Dr. Abhinesh Surana	स्त्री-मुक्ति संघर्ष और जया जादवानी का कथा साहित्य स्त्री	14.11.2019
10	Sangram Singh Nirala	Dr. Baljeet Kaur	-	21वीं सदी की हिंदी दलित कहानियों का बदलता स्वरूप	18 .3. 2021
11	Digvijaya ware	Dr. Premlata Gaure	Dr.Baljeet Kaur	जीवन यदु के काव्य में प्रगतिशील चेतना	19 .3. 2021
12	Sudha Chandrakar	Dr. Deshbandhu Tiwari	Dr. Baljeet Kaur	सुधा वर्मा के साहित्य का समग्र अनुशीलन	9.3.2021
13	Neeraj Kumar Sharma	Dr. Varsha Verma	Dr. Baljeet Kaur	त्रिभुवन पांडेय की रचनाओं का अनुशीलन	9.3.2021
14	Hori Lal	Dr. Archana Jha	Dr. Baljeet Kaur	छत्तीसगढ़ी लोकगीत ददरिया का लोकतात्विक अनुशीलन	15.3.2021
15	Shanti Nagdev	Dr. Abhinesh Surana	-	शिवशंकर पटनायक और नरेंद्र कोहली के पौराणिक उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन	03/21
16	Lakshmin Chauhan	Dr. Shraddha Chandrakar	Dr. Abhinesh Surana	संजीव के उपन्यासों में प्रतिबिंबित समाज	03/21

17	Yugesh Deshmukh	Dr. Panna Lal Yadav	Dr. Abhinesh Surana	समकालीन कविता के परिप्रेक्ष्य में कवि बुद्धिलाल पाल की कविताओं का अनुशीलन	03/21
18	Neelam Verma	Dr. Panna Lal Yadav	Dr. Abhinesh Surana	हिंदी व्यंग्य की परंपरामें व्यंग्यकार विनोद साव का मूल्यांकन	03/21
19	Mrityunjay Dwivedi	Dr. Astha tiwari	Dr. Abhinesh Surana	विनोद कुमार शुक्ल के साहित्य में बल मनोविज्ञान का विश्लेषणात्मक अध्ययन	03/21
20	Belmati	Dr. Archana Jha	Dr. Abhinesh Surana	हिंदी उपन्यासों में वृद्ध-विमर्श	03/21
21	Priyanka Yadav	Dr. Baljeet Kaur	-	शुभदा मिश्र की कहानियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन	03/21
22	Tarun Kumar Sahu	Dr. Premlata Gaure	Dr. Baljeet Kaur	समकालीन हिंदी कहानी और राजेंद्र दानी का कथा-संसार	03/21

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College * Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)